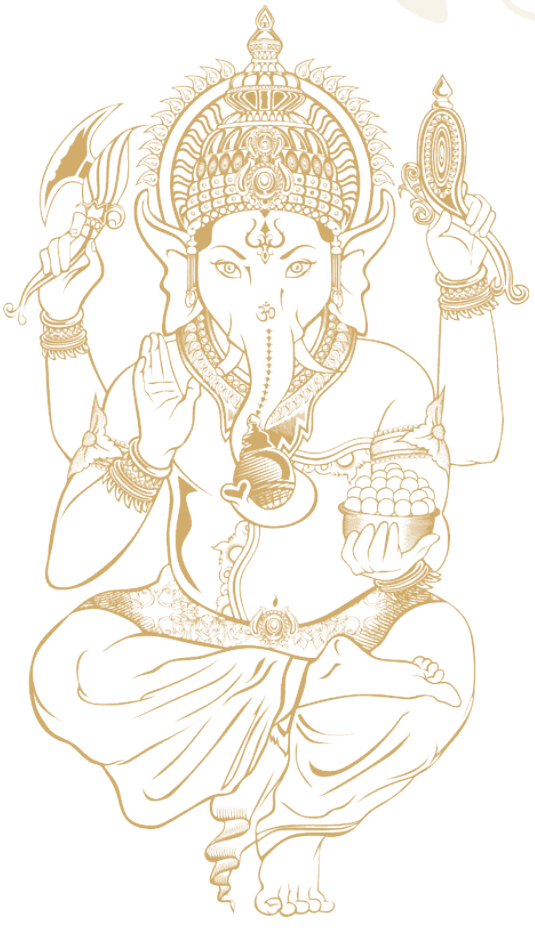

Yash Jyoti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120154604

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/07/1998	जन्म तिथि	04/02/2000
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 15:29:00	जन्म समय	15:14:00 घंटे
घटी 24:46:54	जन्म समय(घटी)	20:12:03 घटी
India	देश	India
Alwar	स्थान	Alwar
27:32:00 उत्तर	अक्षांश	27:32:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व	रेखांश	76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40	स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:34:14	सूर्योदय	07:09:10
19:22:33	सूर्यास्त	18:06:10
23:50:03	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:17

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 7वर्ष 5मा 5दि		29:53:09	तुला	लग्न	मिथु	14:43:52	सूर्य 0वर्ष 9मा 10दि	
शुक्र		21:15:51	मिथु	सूर्य	मक	21:01:16	राहु	
11/12/2012		24:10:17	वृश्चि	चंद्र	मक	08:16:16	15/11/2017	
11/12/2032		06:52:11	मिथु	मंगल	मीन	00:18:07	15/11/2035	
शुक्र	12/04/2016	15:48:29	कर्क	बुध	कुंभ	04:34:04	राहु	28/07/2020
सूर्य	12/04/2017	04:02:28	मीन	गुरु	मेष	04:33:14	गुरु	21/12/2022
चन्द्र	12/12/2018	21:30:46	वृष	शुक्र	धनु	19:08:45	शनि	27/10/2025
मंगल	11/02/2020	08:29:07	मेष	शनि	मेष	16:56:01	बुध	16/05/2028
राहु	11/02/2023	08:39:08	सिंह व	राहु	कर्क	09:53:39	केतु	03/06/2029
गुरु	12/10/2025	08:39:08	कुंभ व	केतु	मक	09:53:39	शुक्र	03/06/2032
शनि	11/12/2028	17:57:11	मक व	हर्ष	मक	22:50:01	सूर्य	28/04/2033
बुध	12/10/2031	07:22:31	मक व	नेप	मक	10:36:22	चन्द्र	28/10/2034
केतु	11/12/2032	11:52:15	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	18:35:37	मंगल	15/11/2035

लग्न-चलित

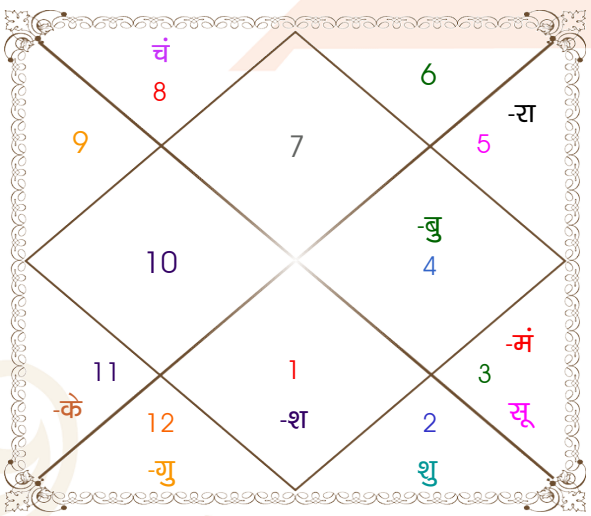

लग्न-चलित

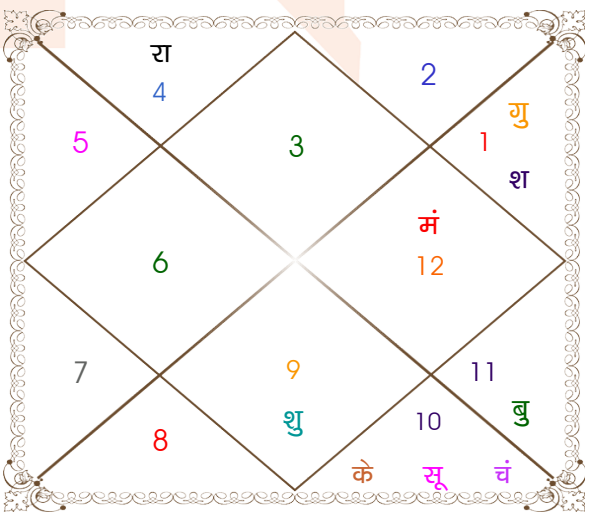

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

लैे का वर्ग मृग है तथा श्रलवजप का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार लैे और श्रलवजप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

लैे मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

श्रलवजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

लैे तथा श्रलवजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।